ये कैसा नाता है | by Sona Jadhav

इतना बता दे मुझको बाबा ये कैसा नाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे .....

होती है तकलीफ कभी जो आँखें रोती हैं
बहते आंसू पोंछ के मेरे हंसना सिखाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे .....

दुनिया की ठोकर से मुझको गिरने दिया ना कभी
थाम के बाँहें मेरे मुझको चलना सिखाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे .....

क्यों ना इतराऊं मैं कुंदन किस्मत पे अपनी
खाटू वाला मेरा मालिक मेरा दाता है
क्यों मुझपे तू इतना अपना प्रेम लुटाता है
इतना बता दे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-sona-jadhav/